



बिहार क्रिटी चीफ

चलती ट्रेन में आग लगने से हड़कंप.... कोयला लोड था



अचानक ऐसा हुआ तो लोको पायलट ने रोकी गाड़ी

गया-कोडरमा रेलखंड के पहाड़पुर रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार सुबह एक कोयला लदी मालगाड़ी में आग लगने से हड़कंप मच गया। ट्रेन के 20वें बोगी से धुआं उठता देख चालक ने सतर्कता बरतते हुए तुरंत ट्रेन रोक दी और

स्टेशन मास्टर को सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन सक्रिय हो गया और तुरंत फायर विगोड को मौके पर बुलाया गया। रेलकर्मियों ने पानी की बौछार कर आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक आग पूरी तरह बुझाई नहीं जा सकी थी। रेलवे अधिकारियों ने बताया

कोयले में स्वतः स्फुरण के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है। कुछ देर के लिए रेल यातायात प्रभावित हुआ है। रेल प्रशासन स्थिति पर पूरी तरह नजर बनाए हुए है। खबर प्रेषित किए जाने तक आग बुझाने का कार्य जारी है और रेलवे की तकनीकी टीम मामले की जांच में जुट गई है।

तीन दरिंदों ने मिलकर 12 साल की बच्ची को बनाया हवस का शिकार, पुलिस ने तीनों को पकड़ा



और टीआईयू टीम को शामिल किया गया। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तकनीकी और मानवीय अनुसंधान के आधार पर घटना में शामिल तीनों आरोपियों को नवगछिया बस स्टैंड से गिरफ्तार कर लिया।

पीड़िता का मेडिकल जांच करवाया गया पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सूरज कुमार (उम्र 20 वर्ष), गुलशन कुमार (उम्र 22 वर्ष) और पवन यादव (उम्र 28 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक

वाहन को भी बरामद किया है। पीड़िता की मां के लिखित आवेदन के आधार पर खरीक थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। पीड़िता का मेडिकल जांच और न्यायालय में बयान दर्ज कराया गया है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

जहानाबाद में अचानक क्यों चलने लगा बुलडोजर?



10 मकानों को तोड़कर गिराया; इलाके में हड़कंप

मखदुमपुर (जहानाबाद),
जहानाबाद के सुखदेव प्रसाद वर्मा
उच्च विद्यालय टेहड़ा के मुख्य
दरवाजा के समीप
अतिक्रमणकारियों पर प्रशासन का
बुलडोजर चला। अतिक्रमण कर
मकान बना लिया गया था। छात्रों
एवं राहगीरों को आने-जाने में
काफी परेशानियों का सामना करना
पड़ रहा था।

कुछ दिन पूर्व सुखदेव प्रसाद वर्मा उच्च विद्यालय टेहटा के प्रधान अध्यापक द्वारा अंचलाधिकारी को स्कूल के गेट के समीप से अतिक्रमण हटाने का लिखित शिकायत देकर आग्रह किया गया

था।अंचलाधिकारी राजीव कुमार उपाध्याय द्वारा अतिक्रमण वाद चलाया गया तथा गुरवार को अतिक्रमण हटाय़ा गया।

अंचलाधिकारी ने बताया कि सड़क किनारे 10 से 12 मकान हाई स्कूल के गेट पर अतिक्रमण किए हुए था,जिसे हटाय़ा गया है। इस दौरान सहित था ना अध्यक्ष आलोक कुमार देहटा पुलिस बल के जवान मौजूद थे।

पटना के दानापुर में चला बुलडोजर नगर परिषद द्वारा चलाये जा रहे अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान दूसरे दिन भी जारी रहे। मंगलवार को दानापुर के नेहरूपथ के दक्षिणी सर्विस रोड आरपीएस मोड़ से शुरू होकर सगुना मोड़ एवं उतरी सर्विस रोड में सगुना से अतिक्रमणवा तक

अभियान चला। इस दौरान सड़क पर व्यास स्थाई एवं अस्थायी अतिक्रमण को हटाय़ा गया। टीम को पहुंचते ही अतिक्रमणकारियों से अफ़ातकारी मच गई। इस क्रम में अतिक्रमण करने वालों से करीब 60 हजार रुपये दंड स्वल्प वसूल गए। कार्यपालक पदाधिकारी पंकज कुमार के नेतृत्व में दंडाधिकारी सुनील कुमार सिंह, नगर प्रबंधक ब्रजेश कुमार सिंह, अमरेंद्र कुमार समेत कर्मी मौजूद रहे। कार्यपालक पदाधिकारी ने कहा कि हमारा उद्देश्य दानापूर को अतिक्रमण मुक्त करना है। इसके कारण लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। इस दौरान उन्होंने दुकानदारों व उसव हाल के व्यवस्थापकों से पार्किंग को व्यवस्था करने की बात की।

प्रयागराज संगम में भगदड़ के कारण सुपौल की महिला की मौत, परिजनों में मचा कोहराम



सुपौल जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रामविशनपुर पंचायत वार्ड 2 दहीपौड़ी गांव निवासी 73 वर्षीय गुलाबी देवी की प्रयागराज संगम में स्नान के दौरान हुई भागदड़ में मौत हो गई। गुरुवार दोपहर करीब 3:30 बजे उत्तर प्रदेश के एंबुलेंस से बच्चा गांव पहुंचा, तो अंतिम दर्शन के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी।
बज्रग माता गंभीर रूप से

घायल हो गई बताया जा रहा है कि गुलाबी देवी अपने छोटे पुत्र नारायण यादव और गांव के 20 अन्य लोगों के साथ प्रयागराज कुंभ स्नान के लिए थीं। मंगलवार रात करीब डेढ़ बजे, जब वे संगम स्नान के लिए पैदल जा रहे थे, अचानक भगदड़ मच गई। भगदड़ में नारायण अपनी मां से लिपट गए, लेकिन भीड़ की धक्का-मुक्की में उनकी बर्ज़ा माता

गंभीर रूप से घायल हो गईं करीब डेढ़ घंटे तक कोड़ी सहायता नहीं मिली, जिसके बाद प्रशासन ने एंबुलेंस की व्यवस्था कर उन्हें अस्पताल भेजा, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

परिजनों का रो-रोकर बुगार
हाल गुलाबी देवी के निधन के बाद उनके घर में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुगार है। गुलाबी देवी के पति की दो साल

पहले एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो चुकी थी। उनके दो बेटे, पवन यादव और नारायण यादव, मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। घटना के दौरान छोटा बेटा नारायण यादव अपनी माँ के साथ था। प्रशासन के सहयोग से शव को एक निजी पंखुलेंस और यूपी पुलिस कमी की देखरेख में सुपौल भेजा गया। जैसे ही शव गांव पहुंचा, स्थानीय लोग अंतिम दर्शन के लिए उमड़ पड़े।

बिहार में 10 कैटेगरी में बंटी साइबर क्राइम की शिकायतें

जान लीजिए क्या है नया नियम

साइबर अपराध के बढ़ते दायरे और शिकायतों को देखते हुए इससे जुड़ी शिकायतों को दर्ज करने की व्यवस्था में बदलाव किया गया है। साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर आने वाली साइबर तग़ी की शिकायतों का अब श्रेणी के आधार पर वर्गीकरण किया जाएगा। इसके लिए दस तरह की श्रेणी बनाई गई हैं। इन्हीं श्रेणियों के आधार पर प्राप्त सभी शिकायतों का पहले वर्गीकरण करने के बाद ही इन्हें दर्ज किया जाएगा।

इसको लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाले साइबर क्राइम रिकार्ड पोर्टल (एनसीआरपी) ने मानक संचालन नियमावली (एसओपी) जारी की है।

इस तरह के धोखाधड़ी शामिल जानकारी के अनुसार, साइबर अपराध को लेकर जो श्रेणियां बनाई गई हैं, उनमें

आधार आधारित पेमेंट सिस्टम, यूपीआई आधारित ठगी, डीमैट या जमा करने से संबंधित धोखाधड़ी, फॉड काल या फिशिंग, ई-वैलेट संबंधित धोखाधड़ी, प्लबसायी या आफर से जुड़े ई-मेल के जरिए, इंटरनेट बैंकिंग संबंधित ठगी, डेबिट या क्रेडिट कार्ड से किए जाने वाले अपराध और मिम स्वेप करके को जाने वाली धोखाधड़ी शामिल हैं।

इसके अलावा डिजिटल अपरेट, लाटरी जीतने, सदस्य बनाकर कमाई करने जैसे अन्य मामलों को दर्ज करने के लिए भी अलग श्रेणी बनाई गई है। साइबर क्राइम से कैसे बचें मजबूत और अद्वितीय पासवर्ड का उपयोग करें और उन्हें नियमित रूप से बदलें। दो-कारक प्रमाणीकरण का उपयोग करें, जो आपके अकाउंट को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करता है। केवल सुरक्षित वेबसाइटों (।।ज्ञज्जक्) पर जाएं और अनजान लिंक्स पर क्लिक न करें। अपने डिवाइस



पर वायरस स्कैनर स्थापित करें और नियमित रूप से स्कैन करें। अपने

ऑपरेटिंग सिस्टम और सॉफ्टवेयर को नियमित रूप से अपडेट करें। अज्ञात ईमेलों को न खोलें और अनजान लिंक्स पर क्लिक न करें। सोशल मीडिया पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें और अनजान लोगों को अपने अकाउंट में जोड़ने से पहले सावधानी से विचार करें। पब्लिक वाई-फाई नेटवर्क का उपयोग करते समय संवेदनशील जानकारी साझा न करें। अपने महत्वपूर्ण डेटा का बैकअप नियमित रूप से बनाएं। साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूक रहें और अपने परिवार और मित्रों को भी जागरूक करें। रिपोर्ट फ़ॉड होने पर क्या करें? तुरंत साइट करें-साइबर फ़्राड्स की घटना होने पर तुरंत पुलिस या साइबर सेल में रिपोर्ट करें। साइबर सेल को संपर्क करें- अपने क्षेत्र के साइबर सेल को संपर्क करें और उन्हें घटना की जानकारी दें। पुलिस में एफआईआर दर्ज करें- पुलिस में एफआईआर दर्ज करें

और घटना की जानकारी दें। बैंक और क्रेडिट कार्ड कंपनी को संपर्क करें- यदि आपका बैंक अकाउंट या क्रेडिट कार्ड हैक हुआ है, तो तुरंत बैंक और क्रेडिट कार्ड कंपनी को संपर्क करें। अपने अकाउंट को सुरक्षित करने- अपने अकाउंट को सुरक्षित करने के लिए तुरंत पासवर्ड बदलें और दो-कारक प्रमाणीकरण सक्षम करें। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ से संपर्क करें- यदि आप साइबर फ्राडम की घटना को समझने में असमर्थ हैं, तो साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ से संपर्क करें। अपने डेटा का बैकअप बनाएं- अपने महत्वपूर्ण डेटा का बैकअप बनाएं, ताकि यदि आपका डेटा हैक हो जाए, तो प उससे पुनः प्राप्त कर सकें। साइबर फ्राडम की रिपोर्ट करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल का उपयोग करें- भारत सरकार ने साइबर फ्राडम की रिपोर्ट करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया है, जिसे आप उपयोग कर सकते हैं।